प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(मार्च, 2019)

*****

प्रमुख घटनाएं एवं उपलब्धियां

1. प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामले संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने अप्रैल, 2017 से मार्च, 2020 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना के बाद राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम - IV (एनएसीपी- IV) को जारी रखने के लिए 8 मार्च, 2019 को स्वीकृति प्रदान की।

2. दिनांक 8 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और पूर्वोत्तर परिषद (एनएफसी), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के बीच 17वें समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहभागिता का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य में मानव प्रतिरक्षण अल्पता वायरस (एचआईवी)/अर्जित प्रतिरक्षण अल्पता सिंड्रोम (एड्स) प्रतिक्रिया को सुदृढ़ बनाना है, ताकि प्रमुख रूप से एनईसी, डीओएनईआर के माध्यम से एचआईसी/एड्स जागरूकता के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा जा सके, रोकथाम और जांच तक पहुंच में युवाओं और उच्च जोखिम समूहों तक पहुंचने में स्व: सहायता समूहों (एसएचजी) की सहभागिता को बढ़ाया जा सके, प्रमुख बैठकों के माध्यम से सहायता को बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्रों में राज्य सरकारों के साथ समन्वय और समर्थन को बढ़ाया जा सके तथा सामाजिक कलंक के भाव को कम तथा एचआईवी द्वारा संक्रमित और प्रभावित लोगों के बीच भेदभाव को कम किया जा सके एवं एचआईवी के साथ जीने वाले लोगों द्वारा सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके।

3. 'विदेशी चिकित्सा संस्थान विनियम, 2002 में स्नातकपूर्व चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु पात्रता अपेक्षा' में पात्रता मानदंडों में संशोधन किया गया। अब, राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) परिणाम घोषित करने की तारीख से तीन (3) वर्षों की अवधि के लिए वैध होगा जिससे एक अभ्यर्थी पूर्व- चिकित्सा/भाषा पाठ्यक्रम, यदि कोई हो, के बाद एमबीबीएस या समकक्ष चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने का हकदार होगा।

4. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियम, 2000 में एक नया पाठ्यक्रम नामत: एमसीएच (पैडियाट्रिक ओर्थोपैडिक्स) अधिसूचित किया गया। इसके साथ ही सूची में पाठ्यक्रमों की पूर्वापेक्षाओं/क्रम संख्या अर्थात डीएम (मेडिकल ऑनकोलोजी) डीएम (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी), एमसीएच (सर्जिकल ऑनकोलॉजी), एमसीएच (गायनोकोलॉजी आनकोलाजी), एमसीएच (हेड एवं नेक सर्जरी), एमसीएच (रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड सर्जरी) में संशोधन किए गए।

5. विविध चिकित्सा कालेजों/संस्थानों के 28 स्नातकोत्तर (व्यापक विशेषता) पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करने की अधिसूचनाएं जारी की गई।

6. टीबी-एचआईवी, टीबी-तंबाकू, टीबी-एनसीडी आदि जैसे सामूहिक कार्यकलापों की समीक्षा करने के लिए सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय टीबी सह-रुग्णता समन्वय समिति गठित की गई है।

7. एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) पर एक नई स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) विकसित की जा रही है। मार्च, 2019 के दौरान नए एचएमआईएस की प्रोटोटाइप जांच शुरू की जा रही है। तकनीकी उन्नयन/रखरखाव प्रक्रियाधीन है।

8. दिनांक 6 मार्च, 2019 को घर पर ही नवजात परिचर्या एवं घर पर युवा बच्चों की परिचर्या पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ वीडियो कांफ्रेंस आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सदस्य, नीति आयोग तथा सह-अध्यक्षता एएस एवं एमडी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की गई।

9. खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), निर्यात निरीक्षण परिषद (ईआईसी) तथा नीदरलैंड खाद्य एवं उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा प्राधिकरण (एनवीडब्ल्यूए) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

10. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत 'विशिष्ट दिव्यांगता' वाले छात्रों के प्रवेश के संबंध में दिशा-निर्देश 15 फरवरी, 2019 को अधिसूचित किए गए।

11. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 22,380 स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) को अनुमोदित किया गया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा एचडब्ल्यूसी पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार 31 मार्च, 2019 तक उनमें से 17,099 एचडब्ल्यूसी क्रियाशील हो चुके हैं।

12. मार्च, 2019 तक 32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में खसरा रुबेला (एमआर) अभियान की शुरुआत की जा चुकी है। 29 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एमआर अभियान पूरा हो चुका है। इस अभियान के तहत 25 मार्च ,2019 तक 30.31 करोड़ से अधिक बच्चों को टीके लगाए जा चुके हैं।

13. दृष्टिहीनता नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत मार्च, 2019 के महीने में मोतियाबिंद के लगभग 6.28 लाख ऑपरेशन किए गए, स्कूली बच्चों को 1,49,612 चश्मों का नि:शुल्क वितरण किया गया तथा दान की गई 5,016 आंखें एकत्र की गईं।

14. आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत मार्च, 2019 महीने में हुई प्रगति निम्नवत् है:

मैट्रिक	समग्र 01/04/2019	समग्र 01/03/2019	मार्च, 2019 की प्रगति
ई-कार्ड जारी	2,84,36,967	2,08,19,359	76,17,608
अस्पताल में भर्ती किए गए लाभार्थी	17,96,966	13,66,614	4,30,352

भर्ती के लिए अधिकृत राशि	2417.2 करोड़	1813.5 करोड़	603.7 करोड़
प्रस्तुत किए गए दावे	13,52,658	10,16,650	3,36,008
प्रस्तुत किए गए दावों की राशि	1770.8 करोड़	1312.4 करोड़	458.4 करोड़
दावे का औसत आकार	13,091	12,909	13,643
अनुमोदित दावे	9,89,898	7,86,041	2,03,857
अनुमोदित दावों की राशि	1297.0 करोड़	1014.7 करोड़	282.3 करोड़
पैनलबद्ध अस्पताल	15,223	14,741	482
एनएचए कॉल सेंटर (14555) द्वारा उत्तर दी गई कुल कॉलों की संख्या	36,40,557	26,46,703	9,93,854
Mera.pmjay.gov.in पर कुल उपभोक्ताओं की संख्या	94,42,131	74,81,933	19,60,198
पीएमजेएवाई ऐप्प संस्थापन की कुल संख्या	2.71 लाख	1.27 लाख	1.44लाख

15. प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत मार्च, 2019 महीने में हुई प्रगति निम्नवत् है:

i. पीएमएसएसवाई के चरण-III के तहत कर्नाटक आयुर्विज्ञान संस्थान (केआईएमएस) हुबली में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) परियोजना पूर्ण तथा माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उसका 06.03.2019 को उद्घाटन किया गया (परियोजना की लागत 150 करोड़ रुपये)।

ii. माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा 02.03.2019 को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच), पटना तथा इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस), पटना में उन्नयन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई।

iii. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस), मंगलागिरि में 12.03.2019 से बहिरंग-रोगी विभाग (ओपीडी) प्रारंभ हुआ।

******